सतत विकास के लिए सामाजिक गतिशीलता का महत्व

प्रासंगिकता: जीएस पेपर 2 - विकास के मुद्दे, सामाजिक न्याय, गरीबी, समावेशी विकास, सतत विकास।

की-वर्ड्स : सामाजिक गतिशीलता, सतत विकास, सामाजिक गतिशीलता सूचकांक, एजेंडा 2030, कार्रवाई का दशक, समावेशी विकास, खाद्य सुरक्षा।

एजेंडा 2030 और एशिया-प्रशांत

- सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में यात्रा में वर्तमान **"कार्रवाई के दशक"** ने व्यापक प्रासंगिकता प्राप्त की है।
- इसलिए, **2030 की समय-सीमा** को पूरा करने के लिए **प्रयासों में तेजी लाने की जरूरत** है।
- **COVID-19 महामारी ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को पंगु बना दिया** है।
- इसने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से **गरीबी और बेरोजगारी से लेकर लैंगिक समानता और जलवायु परिवर्तन जैसे कई विकास मानकों को प्रभावित किया** है।
- इसने **उन्नत और विकासशील समाजों के बीच घरेलू सामाजिक-आर्थिक असमानताओं में अंतर को और भी व्यापक बना दिया** है।
- एशिया और प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख संकेतकों पर एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 2021 की रिपोर्ट कई एसडीजी प्राप्त करने की क्षेत्र की क्षमता के लिए महामारी से प्रेरित बाधाओं को रेखांकित करती है।
- ए.डी.बी. द्वारा प्रमुख संकेतकों पर हाल ही में प्रकाशित 2022 की रिपोर्ट से पता चलता है कि हालांकि इस क्षेत्र के कुछ राष्ट्र वापस उछाल के लिए तैयार हैं, संभावित मुद्रास्फीति, सीमा पार संघर्ष, और खाद्य सुरक्षा के लिए खतरे जैसे मुद्दे पर्याप्त आर्थिक प्रगति को किसी भी समय जल्द ही लौटने से रोक सकते हैं।
- ए.डी.बी. के वार्षिक अभ्यास का यह संस्करण देशों में सामाजिक गतिशीलता की भूमिका पर प्रकाश डालता है, जो इस दशक के अंत तक एसडीजी प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सामाजिक गतिशीलता

- सामाजिक गतिशीलता लोगों के अपने जीवनकाल में सामाजिक-आर्थिक स्तरों के बीच परिवारों और अन्य सामाजिक इकाइयों सहित लोगों के संक्रमण को संदर्भित करती है।
- **एशिया के विकासशील देशों में गरीबी के अंदर और बाहर कुछ लोगों की आवाजाही अलग-अलग** होती है।
- प्रभावशाली परिवर्तन होने के लिए, कई ऊर्ध्वगामी चालकों में सुधार करने की आवश्यकता है, जो किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, आय, रोजगार और स्थान पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, ये सभी प्रमुख कारक हैं।
- महामारी के दौरान, ये ड्राइवर गंभीर रूप से अक्षम थे, इस प्रकार, लोगों की अपने जीवन में सकारात्मक सामाजिक गतिशीलता का अनुभव करने की क्षमता को प्रभावित कर रहे थे।
- **ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता सतत विकास का सार रखती है।**
- यह व्यापक विकास का समर्थन करता है और राष्ट्रों के भीतर और सभी संसाधनों तक पहुंच के मामले में सामाजिक अभिसरण को बढ़ावा देता है।
- यदि विकास पथ समग्र और समावेशी नहीं हैं, तो वे टिकाऊ होने में विफल होते हैं।

सामाजिक गतिशीलता सूचकांक

- **विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने 2020** में एक **सामाजिक गतिशीलता सूचकांक** बनाया।
- यह 82 देशों को रैंक करता है और अर्थव्यवस्था में साझा अवसरों को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रों की पहचान करता है।
- **सूचकांक स्वास्थ्य, शिक्षा सेवाओं तक पहुंच, सामाजिक सुरक्षा, उचित मजदूरी दर** और **समावेशी शिक्षा** सहित **देश की सामाजिक गतिशीलता** के उपयुक्त संकेतकों के रूप में **10 स्तंभों का मूल्यांकन** करता है।
- रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका में उच्च आय वाले देश सामाजिक गतिशीलता के मामले में काफी बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
- यह लैटिन अमेरिका और कैरिबियन, दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका के गरीब देशों के लिए चिंता पैदा करता है जो सूचकांक रैंकिंग के निचले छोर का गठन करते हैं।

सामाजिक गतिशीलता के साथ-साथ सतत विकास

- देश की आय असमानता और उसके सामाजिक गतिशीलता स्कोर के बीच एक सीधा रैखिक संबंध मौजूद है।
- एक ओर, अधिक सामाजिक गतिशीलता वाले राष्ट्र समान रूप से साझा अवसरों तक पहुंच बढ़ाते हैं।
- दूसरी ओर, उच्च आय असमानताएं सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती हैं।
- आकृति 1 में नीचे की ओर ढलान गिनी गुणांक (किसी देश में आर्थिक असमानता का एक सांख्यिकीय संकेतक) और उनकी अंतर्निहित सामाजिक गतिशीलता के बीच एक नकारात्मक संबंध का सूचक है।
- इसका मतलब यह हुआ कि आर्थिक रूप से असमान समाजों का 2015 से 2019 तक सामाजिक गतिशीलता संकेतकों के लिए बहुत कम स्कोर था।

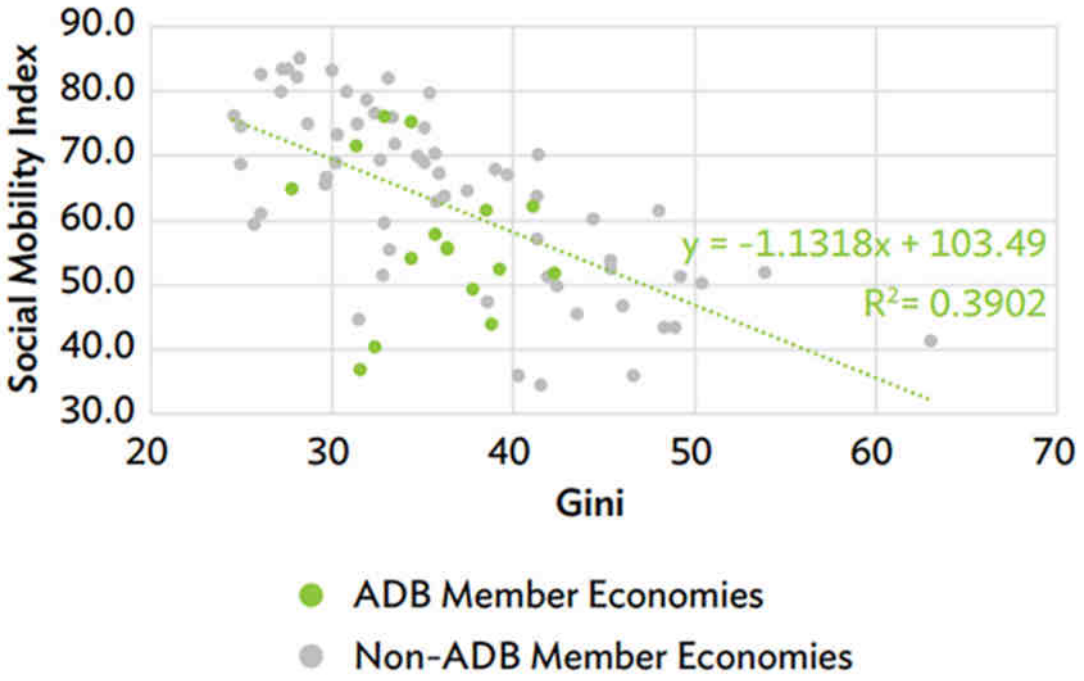

- उच्च स्तर की सामाजिक गतिशीलता वाले राष्ट्र घरेलू स्तर पर अत्यधिक गरीबी को कम करने में बेहतर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

- सबसे पहले, गरीबी की व्यापकता के उच्च स्तर लेकिन कम सामाजिक गतिशीलता वाले क्षेत्रों की पहचान के लिए मजबूत नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी।
- यह उपलब्ध संसाधनों के साथ अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने में व्यक्तियों की अक्षमता के कारण होगा।
- ऐसी स्थितियों में, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हस्तक्षेप समावेशी हों, इस प्रकार, अपने भीतर सतत विकास के मूल सिद्धांतों को आत्मसात करें।
- दूसरे, सबसे निचले तबके की ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता महामारी जैसे बाहरी झटकों के प्रति लचीलेपन में सुधार लाने के मामले में समग्र रूप से समाज के लिए चमत्कार करती है।
- महामारी के बाद एडीबी सदस्य अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक संभावनाओं का वितरण लगभग 69 प्रतिशत कम हो गया था।
- हालांकि, यदि संसाधन इक्विटी को विभिन्न स्तरों पर स्थापित किया जा सकता है, तो यह अधिक टिकाऊ प्रगति के साथ, लंबे समय में आगे की पीढ़ियों के लिए अनिवार्य रूप से कम हो जाएगा।

सामाजिक गतिशीलता और महामारी

- यह भविष्यवाणी करना कि महामारी ने समाजों को कैसे प्रभावित किया होगा यदि उनके पास बेहतर सामाजिक गतिशीलता होती, तो डेटा की कमी को देखते हुए सटीक रूप से निर्धारित करना मुश्किल होता है।
- हालांकि, अनुमान निश्चित रूप से संकेत देते हैं कि जिन राष्ट्रों में महामारी से पहले ऐसी गतिशीलता कम थी, उन्हें सामाजिक-आर्थिक झटके की लंबी अवधि का सामना करना पड़ेगा।
- इसके बावजूद, एशिया में विकासशील देशों से 2030 तक अत्यधिक और मध्यम गरीबी की घटना को क्रमशः 1 और 7 प्रतिशत तक लाने की उम्मीद है।
- हालांकि, ऐसे परिणाम तभी सच होंगे जब आर्थिक विकास और सामाजिक गतिशीलता के प्रतिच्छेदन से जुड़े जोखिमों को समझदारी से संबोधित किया जाएगा।
- महामारी से पहले, एडीबी के 72 प्रतिशत सदस्य देशों की आधी से भी कम आबादी सामाजिक सुरक्षा लाभों से आच्छादित थी।
- हालांकि महामारी की प्रतिक्रिया के रूप में कई नई नकद और लाभ योजनाएं लाई गईं, लेकिन इस तरह की वसूली के उपायों को कुछ वर्षों से आगे जाने की जरूरत है।
- नीति प्रतिक्रियाओं को उन लोगों के उत्थान के लिए लक्षित किया जाना चाहिए जो 2020 से पहले सबसे निचले सामाजिक-आर्थिक स्तर पर थे और उन्हें सामाजिक गतिशीलता के अधिक से अधिक डिग्री हासिल करने में मदद करनी चाहिए।

निष्कर्ष

- जैसा कि 2022 के मध्य में एजेंडा 2030 की ओर आधे रास्ते पर प्रकाश डाला गया है, अब उन मापदंडों की पहचान करना भी महत्वपूर्ण है, जिन पर सामाजिक गतिशीलता और संबंधित नीति कार्रवाई के लिए संसाधन आवश्यकताओं को निर्देशित करने के लिए उच्च-गुणवत्ता, सटीक और समय पर डेटा एकत्र किया जाना चाहिए।
- यह एशिया-प्रशांत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि विश्व की जनसंख्या का उच्चतम संकेन्द्रण और इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में उभरते बाजार हैं।

- यह आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की दिशा को और अधिक महत्वपूर्ण रूप से चार्ट करेगा।
- घरेलू अर्थव्यवस्थाओं और समुदायों को अधिक लचीला बनाने पर विकासात्मक मापदंडों पर कार्रवाई का मजबूत असर होगा।
- यह क्षेत्र में विदेशी निवेश और अनुकूल कारोबारी माहौल की गतिशीलता को भी तय करेगा।

स्रोत: ओआरएफ

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

सामाजिक गतिशीलता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. **देश की आय असमानता और उसके सामाजिक गतिशीलता स्कोर के बीच एक सीधा रैखिक संबंध मौजूद है।**
2. **उच्च आय असमानताएं सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती हैं।**
3. **विश्व बैंक ने एक सामाजिक गतिशीलता सूचकांक बनाया है।**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही कूट का चयन कीजिए।

a) 1 और 2

b) 1 और 3

c) 2 और 3

d) सभी।

उत्तर. a

व्याख्या: विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने सामाजिक गतिशीलता सूचकांक बनाया है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न:

Q. ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता सतत विकास का सार रखती है। विश्लेषण करें। (250 शब्द)

ध्येयIAS most trusted since 2003